सरूप सुन्दर सनकूल

सरूप सुन्दर सनकूल सकोमल, रूह देख नैना खोल नूर जमाल।
फेर फेर मेहेबूब आवत हिरदे, किया किनने तेरा कौल फैल ए हाल।।

जामा जड़ाव जुड़या अंग जुगतें, चार हारों करी अंबर झलकार।
जगमगे पाग ए जोत जवेर ज्यों, मीठे मुख नैनों पर जाऊं बलिहार।।

लाल अधुर हँसत मुख हरवटी, नासिका तिलक निलवट भौंहें केस।
श्रवन भूखन मुख दंत मीठी रसना, ए देख दरसन आवे जोस आवेस।।

बांहें चूड़ी बाजू बंध सोहे फुमक, पोहोंची कांड़ों कड़ी हस्त कमल मुंदरी।
नख का नूर चीर चढ़या आसमान में, ज्यों हक चलवन करें सब अंगुरी।।

रोसनी पटुके करी अवकास में, चरन भूखन जामें इजार झांई।
कहें महामती मोमिन रूह दिल को, मासूक खैचें तोहे अर्स मांहीं।।